

**बालम** पुं. (तद्.) 1. वल्लभ, स्वामी 2. स्नेही 3. पति, प्रेमी।

**बालमनोविज्ञान** पुं. (तत्.) मनोविज्ञान की एक शाखा जिसमें सामान्य और असामान्य बालकों की मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन होता है।

**बालमुकुंद** पुं. (तत्.) बालक श्रीकृष्ण।

**बालमैथुन** पुं. (तत्.) बालक या किशोर/किशोरी से किया जाने वाला मैथुन या यौन संबंध।

**बाललीला** स्त्री. (तत्.) बालकों के द्वारा किया जाने वाला खेल, बाल क्रीड़ा।

**बालविधवा** स्त्री. (तत्.) बाल्यावस्था में ही विधवा हो जाने वाली स्त्री, जिसकी बाल्यावस्था में ही पति की मृत्यु हो जाय।

**बालविधु** पुं. (तत्.) शुक्ल पक्ष के प्रारंभिक दिनों में उगने वाला चन्द्रमा।

**बालविवाह** पुं. (तत्.) बाल्यावस्था में ही विवाह कर देना या होना।

**बालसूर्य** पुं. (तत्.) प्रातःकालीन सूर्य, उदीयमान सूर्य 1. उदय काल का सूर्य 2. एक प्रकार की मणि 'वैदूर्यमणि'।

**बालहठ** पुं. (तद्.) बालक का दुराग्रह, बच्चे की जिद या अड़ियलपन, बच्चे का अनुचित हठ।

**बाला** स्त्री. (तत्.) 1. लडकी, युवती, स्त्री, किशोरी, कन्या 2. एक प्रकार का छंद जिसमें 10 वर्ण होते हैं, क्रमशः तीन रगण और एक गुरु 3. हाथ में पहनने वाला आभूषण या कड़ा, कान में पहने जाने वाला एक आभूषण या बाली, कर्ण भूषण, कान का बाला 4. धीरे-धीरे, चुप-चाप, शांतिपूर्वक 5. 'बोल' शब्द के साथ लगाए जाने वाला शब्द जैसे- 'बोलबाला' मुहा. बोलबाला होना- प्रभाव और सम्मान होना।

**बालातप** पुं. (तत्.) बाल सूर्य, प्रातःकालीन सूर्य।

**बालार्क** पुं. (तत्.) 1. प्रातः कालीन सूर्य 2. कन्या राशि में स्थित सूर्य, जब उसकी शक्ति क्षीण होती है।

**बालि** पुं. (तत्.) रामायण का एक पात्र, किष्किंधा पर्वत का वानर राज, अंगद का पिता और सुग्रीव का ज्येष्ठ भ्राता, पंपानगरी का नरेश।

**बालिका** स्त्री. (तत्.) छोटी उम्र की कन्या, पुत्री, बेटी।

**बालिग** (तद्.) रेत, अनुर्वर मिट्टी, अविश्वसनीय वस्तु।

**बालूदानी** स्त्री. (फा.) बालू रखने की झिझरीदार डलिया।

**बालूशाही/बालूसाही** स्त्री. (देश.) मैदे से बनने वाली गोल मिठाई, मिष्ठान्न।

**बालोद्यान** पुं. (तत्.) बच्चों का उद्यान, बच्चों की वाटिका।

**बाल्य** पुं. (तत्.) बच्चे से संबंधित, बाल संबंधी, शैशव का, शैशव।

**बाल्यावस्था** स्त्री. (तत्.) बचपन की उम्र, शैशव।

**बाल्हीक** पुं. (तत्.) 'बलख' का प्राचीन नाम बाल्हीक, 1. वहिल देश में होने वाला 2. बलखदेश का निवासी 3. बलखदेश का राजा, स्वामी 4. बलख का अश्व।

**बावजूद** क्रि.वि. (फा.+अर.) होते हुए भी, इतना रहने पर भी जैसे- मेरे कहने के बावजूद वह नहीं माना।

**बावड़ी** स्त्री. (तद्.) छोटा तालाब, जिसमें सीढ़ियों से उतर कर पहुँचा जा सके।

**बावन** वि. (तद्.) पचास से दो अधिक की संख्या मुहा. बावन तोले पाव रत्ती अर्थात् बिल्कुल ठीक मात्रा वि. पुराने रसायन विशेषज्ञ।

**बावनी** स्त्री. (तद्.) बावन संख्यक वस्तुओं का समाहार जैसे- कविताओं की बावनी, वीरों की बावनी, कवियों की बावनी।

**बावरा** पुं. (तद्.) उन्मत्त, विक्षिप्त, पागल।

**बावर्ची** पुं. (फा.) रसोई बनाने वाला, भोजन पकाने वाला, रसोइए का काम करने वाला।